

महंगे पड़े मौसम के तेवर

उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत में मौसम के करवट बदलते ही कई जगहों से नुकसान की खबरें आ रही हैं। बारिश, आसमानी बिजली और आंधी तूफान से कहीं जानमाल का नुकसान हुआ है तो कई जगह ओले पड़ने से फसलें बर्बाद हुई हैं :

बिहार में आसमानी बिजली से चार मरे, तीन झुलसे

■ **भाषा, भागलपुर** : बिहार के भागलपुर जिले के कहलगांव में मंगलवार सुबह आकाशीय बिजली की चपेट में आकर चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। कहलगांव के एसडीओ ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ये सभी लोग खेत-बागानों की रखवाली के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए थे। सभी शवों के पोस्टमॉर्टम किए जा रहे हैं। मृतक के आश्रितों को आपदा प्रबंधन कोष से मुआवजे के तौर पर चार-चार लाख रुपये दिए जाएंगे।

मणिपुर में बाढ़ से 2 बच्चों की मौत

■ **आईएनएस, इंफाल** : मणिपुर में भयावह बाढ़ में दो बच्चों की मौत हो गई और कम से कम 15 मकान बह गए। लोगों का आरोप है कि प्रशासन संकट से निपटने में मदद करने में असफल रहा है। इंफाल पूर्व जिले में सात साल के बच्चे की सोमवार को उस वक्त करंट लगने से मौत हो गई, जब क्यामगेई इलाके में भरे बाढ़ के पानी में उसका पांव बिजली के एक नंगे तार पर पड़ गया। एक अन्य बच्चे की उखरुल जिले में डूबने से मौत हो गई है। ग्रामीणों ने कहा कि हमने अधिकारियों को क्यामगेई में इंफाल नदी के तटबंध में दरार पड़ने से पहले ही सूचित कर दिया था लेकिन कोई भी अधिकारी बाढ़ नियंत्रण सामग्री लेकर नहीं पहुंचा। यहां तक कि आज भी अधिकारी व स्थानीय विधायक हमें देखने नहीं आए हैं। राज्य के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री ने कहा कि एक कार्यकारी इंजीनियर को ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया गया है।

अच्छी बारिश होने की संभावना 92%

■ **भाषा, नई दिल्ली** : भारत में इस मौसम में सामान्य और अधिक बारिश होने की संभावनाएं 92 प्रतिशत हैं। जहां मध्य भारत में अच्छी बारिश आ सकती है, वहीं बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में कम वर्षा की संभावना है। जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर में बारिश के मामले में तमिलनाडु, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक मामूली जोखिम पर रहेंगे। स्काईमेट ने मॉनसून के अपने दूसरे पूर्वानुमान में कहा है कि मध्य भारत और पश्चिमी तट पर अच्छी बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी ज्यादा बारिश की संभावना है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ भागों में कम बारिश हो सकती है। मॉनसून के दूसरे आधे हिस्से में पहले हिस्से की तुलना में बेहतर बारिश होगी। भारत में जून में सामान्य बारिश होने की संभावना 50 प्रतिशत है, वहीं जुलाई और अगस्त में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत हो जाएगा। सितंबर में भारत में सामान्य बारिश होने की संभावनाएं 40 फीसदी हैं और सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना 50 प्रतिशत है।



ताज महल परिसर में आंधी से गिरे कई पेड़

■ **एजेंसियां, आगरा** : यूपी के आगरा में सोमवार शाम तेज आंधी और बवंडर आया जिससे कई पेड़, होर्डिंग और बिजली के खंभे ढह गए। 84 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई आंधी ने ताज महल के मुगलिया चार बाग शैली के बगीचे को भी नुकसान पहुंचाया। ताज महल परिसर में लगे चार पेड़ों को नुकसान हुआ। इसमें एक पेड़ तो जड़ से

उखड़ गया। रविवार रात और सोमवार शाम को आई आंधी ने ताज महल को खासा नुकसान पहुंचाया। ताजमहल की मीनारों पर चल रहे मंडपों को भी नुकसान हुआ। वहीं न्यू आगरा में बिजली के खंभे टूट गए तो अबुलउला दरगाह के पास हाईमास्ट लाइटें गिर पड़ीं। कई इलाकों में दर्जनों पेड़ टूट गए। करीब 70 मिनट तक आंधी-बवंडर बना रहा।



हिसार में छात्र की मौत

■ **एनबीटी, हिसार** : हिसार जिले में सोमवार रात आए तेज आंधी-तूफान के कारण जहां पेड़ गिरने से एक छात्र की मौत हो गई, वहीं बिजली के खंभे टूटने से ब्लैक आउट जैसी स्थिति रही। कई फैक्ट्रियों के शेड उड़ गए और दीवार व बिजली के खंभे गिरने से गाड़ियों को नुकसान पहुंचा।

चारधाम यात्रा बहाल

■ **प्रस, देहरादून** : उत्तराखंड में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फाटा और गुप्तकाशी में मलबा धंसने से मंगलवार को कुछ देर के लिए यात्रा रोकी गई थी मगर बाद में बहाल कर दी गई। चारों धामों की यात्रा अब बिना बाधा के जारी है।



उड़ानों, ट्रेन सेवाओं पर असर

■ **एजेंसी, नई दिल्ली** : दिल्ली के मौसम में अचानक आई तब्दीली का असर उड़ान और रेल सेवाओं पर भी हुआ है। खराब मौसम की वजह से मंगलवार को करीब 8 उड़ानें देरी से चलीं। दुबई, मिलानो, काठमांडू आदि की विमान सेवा पर असर पड़ा। यही नहीं इस्तांबुल, दुबई, सिंगापुर आदि से आई उड़ानों में 30 मिनट से डेढ़ घंटे तक की देरी दर्ज हुई। सोमवार रात मौसम में बदलाव से करीब 24 उड़ानें डायवर्ट हुई थीं। दिल्ली रूट पर करीब 14 ट्रेन देर से चल रही हैं। जैचहार् एक्सप्रेस, महाननदा एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस, संगम एक्सप्रेस दो से तीन घंटे देर थीं।

फसलें चौपट



टमाटर की फसल को नुकसान

हरियाणा के यमुनानगर में सोमवार से जारी बरसात के साथ ओले भी पड़े हैं जिससे टमाटर उत्पादक किसानों की तैयार फसल को नुकसान हुआ है। किसानों की मानें तो उन्हें इस बरसात से प्रति एकड़ हजारों रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। प्रभावित किसान सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

गेहूं को नुकसान

बेमौसम बारिश और धूल भरी आंधी के कारण यूपी के शामली के मंडी परिसर में खुले में रखे 2,000 क्विंटल से अधिक गेहूं को नुकसान पहुंचा है। एसडीएम ज्ञान प्रकाश ने बताया कि सरकार ने किसानों से दो हजार क्विंटल से अधिक गेहूं खरीदा था और यह खुले में रखा था।

आम की 15% फसल बर्बाद

■ **एनबीटी, मेरठ** : इस साल आम की बंपर फसल की उम्मीद कर रहे किसानों को सोमवार की आंधी-तूफान से झटका लगा है। करीब 23 मिनट के आंधी-तूफान में कई किसानों के 20 प्रतिशत फल पेड़ से गिर गए हैं। अब उन्हें ऐसे आमों को 4-5 रुपये किलो की दर से बेचना पड़ रहा है। मेरठ के उद्यान अधिकारी का कहना है कि आंधी-तूफान की वजह से 10 से 15 प्रतिशत आम की फसल को नुकसान पहुंचा है। लेकिन यह स्वस्थ फसल के लिए सही है क्योंकि पेड़ पर बहुत फल लदे होने से प्रभावित होती है।



वाराणसी में सूख रही गंगा



वाराणसी में इन दिनों गंगा दशाश्वमेध घाट से कई फीट पीछे जा चुकी है और अस्सीघाट की सीढ़ियों को भी छोड़ कर काफी आगे बढ़ चुकी है। 4 अप्रैल से 3 मई के दौरान ही गंगा के जलस्तर में एक मीटर से ज्यादा की कमी आ चुकी है। (प्रस)



GoUSA.in



All within
your reach

EXPLORE NOW



मौसम का जादू : साल का सबसे कम पल्यूशन लेवल



आज भी मौसम
रह सकता है कूल

■ **नगर संवाददाता, नई दिल्ली** : दिल्ली में बीते दिनों की तुलना में मंगलवार को तापमान कम दर्ज हुआ। सफ़दरजंग में मैक्सिमम टेम्परेचर 35.6 डिग्री दर्ज हुआ, जो नॉर्मल से चार डिग्री कम रहा। पालम में मैक्सिमम टेम्परेचर 36.6 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से पांच डिग्री कम रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक, आज भी हल्की बारिश की संभावना है। आंधी भी चल सकती है। इस दौरान मैक्सिमम टेम्परेचर 37 डिग्री और मिनिमम टेम्परेचर 25 डिग्री रहने की संभावना है। है। 28 से 30 मई के दौरान एक फ़िर धूलभरी आंधी चलने की संभावना है। 28 और 29 मई को धूलभरी आंधी चल सकती है। 30 मई को बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सांभार सुबह 8:30 बजे से लेकर मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक समुद्रतल से 10.2 मिमी बारिश 24 घंटे के दौरान बतई हुई। यह साल 2015 की तुलना में सिर्फ 24 घंटे में होने वाली बारिश से काफी ज्यादा है। साथ ही, पूरे महानंद मैदान में श्री साल-2015 की तुलना में साल-2016 में ज्यादा बारिश हुई है। फिल्ले साल में से सिर्फ 3.1 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। साल 2015 में 14 मई को 24 घंटे के दौरान सिर्फ 2.4 मिमी बारिश दर्ज हुई थी। मंगलवार को दिनभर मौसम सामान्य रहा। बादल छाप रहे। तेज हवाएं चलीं। मिनिमम टेम्परेचर सफदरजंग में 23.1 डिग्री दर्ज हुआ।

■ नगर संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली में इस साल जनवरी से लेकर अब तक का सबसे कम प्लूशियन लेवल मंगलवार को दर्ज हुआ। राजधानी में पंढरवाड़ा जैसी सफा एयर क्वालिटी रही। मिनिस्ट्री ऑफ अर्थ साइंसेज के प्रोजेक्ट सफर में दिल्ली का पीएम 2.5 का एवरेज लेवल 45.3 माइक्रो ग्राम क्यूबिक मीटर (एमजीसीएम) दर्ज हुआ। इससे पहले पीएम 2.5 का एवरेज लेवल सबसे कम 23 मार्च को 50.9 एमजीसीएम दर्ज हुआ था। अगले दो दिनों में पीएम 2.5 का लेवल और भी कम होकर 41 एमजीसीएम तक जा सकता है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, पिछले तीन सालों की तुलना में मई में यह औषत 2.5 को सबसे कम लेवल है। यह पन्थुबून मॉनिटरिंग स्टेशनों में पीपम 2.5 और पीपम 10 को लेवल बेहद ही कम दर्ज हुआ। पीपम 2.5 को नॉर्मल लेवल 60 एमजीसीएम होता है। यह नॉर्मल से 15 एमजीसीएम कम रेकॉर्ड किया गया, जो साल 2016 में पिछले 5 महीने के दौरान सबसे कम है। दिल्ली में इतनी साफ एयर

गर्मी से राहत

■ पीएम 2.5 का लेवल 45.3 एमजीसीएम रहा, नॉर्मल होता है 60

■ पीएम 10 का लेवल भी कई जगहों पर नॉर्मल से कम दर्ज किया गया

■ बादल-बारिश-हवाओं से बदला मौसम, पल्यूटेन्स हो गए नष्ट

व्याल्टी मंगलवार से पहले इस साल दर्जन नहीं बैठे थी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मौसम के बदलते मिनाज से पत्युशून लेवल इन्चने लेवल स्तर पर चला गया है। वातावरण में मौजूद प्रदूषित कण आगे मूव हो गए हैं, जिससे पत्युशून लेवल इतना नीचे आया है। आमतौर पर किमिया के सीजन में ऐसा काफी कम होता है कि पत्युशून लेवल नॉर्मल से भी कम हो जाए। दिल्ली में मंगलवार को भी कई जगहों

पर तेज रफ़्तार से हवाएं चलीं, जिससे प्रदूषित कण मूव हो गए। साथ ही बादल छाए रहने से भी असर पड़ा और इससे ओजोन प्ल्यूशन का लेवल भी नॉर्मल से कम चला गया। पीएम 10 का लेवल 127.7 एमजीसीएम दर्ज हुआ। पीएम 10 का नॉर्मल लेवल 100 एमजीसीएम होता है।

प्रोजेक्ट सफर के सभी पल्ट्यून
मॉनिटरिंग स्टेशनों में पीएम 2.5 और
पीएम 10 का लेवल कम दर्ज हुआ। सबसे
कम पीएम 2.5 का लेवल लोदी रोड में
43, आया नगर में 58 और डीयू में 53
एमजीसीएम दर्ज हुआ। पीएम 2.5 का
लेवल मथुरा रोड में 75, पीतमपुरा में 97
और धीरपुर में 98 एमजीसीएम दर्ज हुआ।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मौसम के पैटर्न में बदलाव की वजह से पहाड़ों जैसी हवाएं दिल्ली की तरफ चलने लगी हैं। यह बेहद ही साफ क्वालिटी की हवा है। ऐसी एयर क्वालिटी अगले दो दिनों तक रहने की संभावना है। बारिश होने के कारण भी हवा में मौजूद प्रदूषित कण पानी के साथ मिल गए। इससे पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर नीचे चला गया।



cilory.com



FASHION
DESIGNER DRESS
Rs. 1,100

News item/letter/article/editorial published on May 25.05.2016 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Centre offers support to DJB's Yamuna revival plan

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi Jal Board (DJB) chairperson Kapil Mishra met Union water minister, Uma Bharti on Tuesday and discussed the Yamuna revival plan with her. The minister, reportedly, "appreciated the plan" and has offered support for its implementation.

On Monday, Mishra had visited environment activist Balbir Singh Seechewal in Punjab to see how he had managed to clean up the Kali Bein rivulet. Seechewal has also been invited to Delhi to make recommendations to the government on how best they can

implement the rejuvenation plan.

"This is the first comprehensive plan to clean the Yamuna with the cost for each work accounted for and timelines to finish work. We will clean the river and its drains and simultaneously restore the ecological value of the river and bring people to the riverfront," said Mishra.

The major works included in the plan are cleaning of the river and all drains flowing into it by stopping sludge coming from Haryana, restoring the ecological flow of the river by creating biodiversity parks and ecological landscapes.

Sources who attended the

meeting said that Bharti was "impressed" with the plan. "She seemed happy also because the Delhi plan has incorporated most of the suggestions that the Centre had given on cleaning the river," said an official.

Mishra added, "This comprehensive plan made by the DJB and Delhi government will restore the status of Yamuna to the one that it deserves. We will work closely with the Union water ministry on DJB's plan for Yamuna and commit to the treatment of polluted water, ensuring proper seepage management and development of public spaces along the river."

News item/letter/article/editorial published on May 25.05.2016 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Rainwater harvesting policy before monsoon

TD-25-P-5

Neha Lalchandani
@timesgroup.com

New Delhi: The Delhi Jal Board (DJB) has finalised its rainwater harvesting policy and plans to roll it out before the onset of the monsoon.

Having issued new, simplified designs for RWH structures, the water utility has given residents time till June 30 2016 to install the same, failing which a penalty equivalent to 50% of the monthly water bill will be levied on defaulters. While RWH has been mandatory in the city for several years, implementation has been extremely lax, followed by poor maintenance of existing structures.

DJB officials said that once the policy was implemented, a physical verification of structures would be carried out before the onset of monsoon each year. Action will be initiated if they are not properly maintained.

All PWD buildings will be made RWH compliant by April 2017. The urban development department will prepare

a list of all government buildings, which do not have rainwater harvesting facilities. Such buildings will be served notices and they will be told to implement the new structural designs at the earliest. A meeting will be held with the Delhi Metro separately to work out details of RWH at its stations and platforms.

The latest policy was framed by the Delhi Dialogue Commission and DJB. Sources said DJB officials had spent considerable time in Chennai, which has successfully implemented rainwater harvesting. Water expert from Chennai Sekar Raghavan helped DJB frame the policy and recommended structural designs.

"RWH is mandatory for all buildings in an area of 500sq m and above. There are around 10 areas where groundwater levels are reasonably high. Vetted by the Central Ground Water Authority, these areas will not be required to carry out RWH. These include Okhla, Siddharth Extension and Jahangirpuri. A central fund of Rs 2 crore has been allocated

in this regard," said DDC vice-chairperson Ashish Khetan. He is also the head of the steering committee to monitor rainwater harvesting.

Delhi has a population of around 1.7 crore for whom DJB is able to supply 900 million gallons of water per day. An additional 200-250 MGD is supplied through groundwater sources. South and southwest Delhi are practically dry because of over-extraction of groundwater while levels are plummeting in other parts of the city.

Taking a leaf from Chennai's experience, Delhi is setting up three rain centres, along with NGO FORCE. These centres will provide information on all aspects of RWH, water recycling and water body revival, assist in implementing RWH and train masons and plumbers in the installation and maintenance of RWH structures. These will also work as a resource centres, which will maintain a database of all structures that are being made and publicise information related to RWH.

News item/letter/article/editorial published on May-25.05.2016 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.) ✓

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

TAPPING INTO NATURAL RESOURCE

TD-25-P-5

Rainwater Harvesting Policy, 2016

It is compulsory for all buildings of 500sqm or more to have a rainwater harvesting facility. This includes government buildings and installations. Some areas, vetted by Central Groundwater Authority, where water table is high, will be exempt. In absence of RWH post July 1, 2016, the penalty will be 50% of monthly bill

RAIN CENTRES TO BE SET UP BY JUNE 6, 2016

JAL SADAN | South district

RK PURAM SECTOR-7 | Southwest district

DWARKA | Southwest district



Objectives of the rain centres

➤ Make it easy for households, housing societies and colonies to adopt RWH

➤ Recommend type of RWH based on relevant factors such as soil type, land usage, runoff water quality, etc

➤ Hands-on technical help

in design and sourcing

➤ Training local plumbers and masons

➤ Creating awareness about RWH

➤ Water audits

➤ Making and maintaining RWH database of the area



Pilot projects to be undertaken by DJB

➤ Gargi College, Siri Fort Road

➤ India Meteorological Department, Lodhi Road

➤ DC South Office, Saket
➤ Govt complex at B Block, Kalkaji
➤ Amar Shahid Major

Ashok Sehrawat Sarvodya Kanya Vidyalaya, Mahipalpur

➤ National Cooperative Union of India, Siri Fort Institutional Area, August Kranti Marg

➤ DC office in Kapashera

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.) ✓

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

cc mtr

Farmer's dam to be ready in 2 wks, before monsoon

rio-p-11



BUILDING HIS OWN FUTURE: Farmer Sanjay Tidke said even though he spent money from his own pocket in building the dam, there has been no relief from harassment by government officials

► Continued from P 1

The construction of the dam started in March and after completion in the next 2 weeks it will be ready to hold water from this monsoon.

"On one hand the Maharashtra government is spending crores of rupees to undertake water conservation projects, and on the other hand when a farmer is spending money from his own pocket to do something for the village, the government officials still create problems," said Tidke.

After word spread about

the dam being constructed, many farmer groups started visiting the site and helped him deal with the issues that government officials would raise. The site has become very popular with farmers and government officials visiting it almost every day.

"It's a one-of-its-kind project. Not only Tidke, but the entire village will benefit from the project. Farmers will be able to grow a second crop using the water in the dam," said Santosh Gawai, member of a farmers' group from the neighbouring taluka.

News item/letter/article/editorial published on May 25 05 2016 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

Farmer sells farmland to build dam

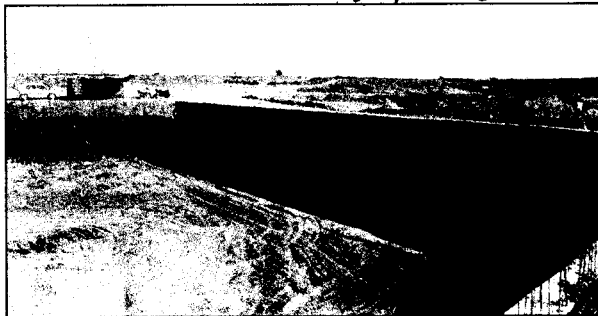
TLO-25-P-1

**Forced To Do So
As He Got No Help
From Maha Govt**

Bhavika.Jain@timesgroup.com

Mumbai: A 42-year-old farmer from a small village in Maharashtra's Akola district has sold a large chunk of his farmland to build a dam for himself and farmers of his villages after he got no aid from the state government.

Sanjay Tidke, who along with his brother, owned 30 acres in Sangvi Durgwada village in Murtizapur taluka, sold 10 acres for Rs 55 lakh and is using Rs 20 lakh to build a large dam which has a water storage capacity of 3 crore litres.



Akola farmer Sanjay Tidke sold 10 acres for Rs 55 lakh and is using some of the money to build a dam with a storage capacity of 3 crore litres

Tidke says he sold off that part of farmland that would always get washed off during the rains. "A canal flows through my farm and since there was no dam to block water, every monsoon a large portion of my farm would get washed off causing huge losses.

I have repeatedly asked the government for assistance to build a dam to stop water from coming into my farm, but there has been no response and so I decided to do something myself," said Tidke, who grows soyabean, cotton and tur in his fields. This dam

is called a cement nullah bund in technical parlance.

The state government has announced several schemes for water conservation, but their implementation has been questioned by many. Many of the schemes don't even cover a fraction of the cost of the project, leaving the farmer to bear the rest; there have also been complaints of delays in approving projects.

Officials of the district agriculture department helped Tidke with expertise on how and which type of dam to construct. But other officials began harassing him over the sand he was using for the project and filed complaints against him for allegedly buying sand illegally.

► Continued on P 11

News item/letter/article/editorial published on May-25/2016 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

देश में 92% सामान्य बारिश की संभावना

आकलन

नई दिल्ली | एजेंसी

भारत में इस मौसम में सामान्य और अधिक बारिश होने की संभावनाएं 92 प्रतिशत हैं। वहीं, बिहार और पूर्वी यूपी के कुछ हिस्सों में कम वर्षा की संभावना है। स्काईमेट ने मानसून के अपने दूसरे पूर्वानुमान में कहा, मध्य भारत और पश्चिमी तट पर अच्छी बारिश हो सकती है।

महाराष्ट्र को राहत: मानसून के दूसरे आधे हिस्से में पहले अर्द्धांश की तुलना में बेहतर बारिश होगी। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के कुछ भागों में ज्यादा वर्षा की संभावना है। जून, जुलाई, अगस्त व सितंबर में

कब कितनी बारिश

जून में सामान्य बारिश होने की संभावना 50% है। जुलाई व अगस्त में यह अंकड़ा 60% हो जाएगा। सितंबर में सामान्य बारिश की संभावनाएं 40% हैं और सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना 50% है।

बारिश के मामले में तमिलनाडु, पूर्वोत्तर भारत व दक्षिण कर्नाटक मामूली जोखिम पर रहेंगे।

मानसून पर मतभेद :

स्काईमेट ने पूर्वानुमान लगाया है कि केरल में मानसून 28 व 30 मई के बीच आएगा वहीं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि मानसून आने की तारीख सात जून के आसपास होगी।

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P. Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

ed at Bhagirath(English)& Publicity Sectio

There can be no shortcuts here

Traditional methods, technology and citizens must join forces to combat drought

In his Mann Ki Baat speech on Sunday, Prime Minister **ourtake** Narendra Modi urged the people to make water conservation their mission. This is not the first time the prime minister has raised this issue: In the March 26 edition of the same programme, he had called for use of technology and water conservation to increase agricultural productivity. The message is valuable but the efforts to drought-proof India should have begun on a war footing much earlier since the country is already in the grip of a severe drought. Water conservation cannot be an ad hoc response when a calamity strikes; it has to be a continuous process. According to the government, 10 states are drought-hit and the economy has been set back by at least 6,50,000 crore.

Things would not have come to such a pass if successive governments had put their minds to build on what India already has: Every region of the country has its own system of water harvesting. In fact, the present government will be happy to know that the practice of rainwater harvesting dates back to the Vedic era and since then India's royal families had built tanks, water channels, ponds, step wells, shallow wells and similar other structures all over the country to ensure water security. Sadly, the country has not only forgotten but also largely destroyed these existing systems. It has failed to acknowledge that these structures, like modern water saving technologies, were also 'technological' solutions. So it was not surprising that the PM chose to talk about technical solutions to tackle drought but not about the intricately designed old step wells and shallow wells found in his home state, Gujarat. It would make greater sense to revive these structures than to first buy expensive water-saving technologies.

Along with reviving these existing structures, people should be involved in the management of water. Once they become partners in the management of this valuable resource, they will get involved in its harvesting and conservation. In Uttar Pradesh's Lalitpur district, which is part of the drought-hit Bundelkhand region, women's groups have formed Jal Sahelis (friends of water). These groups are not only involved in conservation of water but have also acquired the skills to fix water pumps and hand pumps so that they don't have to wait for government engineers to remedy the problem. The permanent solution to tackle drought, as the PM wants, can only be found when citizens and technology (old and new) join forces; otherwise, the State will end up spending money and human resources on short-term measure like water trains and tankers.

News item/letter/article/editorial published on May 25. 2016 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

केजरीवाल के घर के बाहर कांग्रेस व भाजपा का प्रदर्शन



नई दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के निवास के बाहर पानी व बिजली कटौती के विरोध में मतकों को लेकर प्रदर्शन करते कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ता।

RP-25 P-10

News item/letter/article/editorial published on May-25.19.2016 in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi) ✓

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

यमुना की सफाई के लिए कपिल मिश्रा ने रखा प्लान

PK-28-P-8

नई दिल्ली, (ब्यूरो): यमुना की सफाई के लिए दिल्ली के जल मंत्री कपिल मिश्रा ने केन्द्रीय मंत्री उमा भारती से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कपिल मिश्रा ने उमा भारती के सामने दिल्ली में यमुना की सफाई का प्लान रखा। मुलाकात



के बाद कपिल मिश्रा ने बताया कि हमने केन्द्रीय मंत्री उमा भारती के सामने यमुना की सफाई से संबंधित पूरी परियोजना रखी है।

इस योजना में यमुना एवं उसमें

मुलाकात

**केन्द्रीय मंत्री उमा भारती
से मुद्दे पर की चर्चा**

गिरने वाले नालों की सफाई को लेकर ठोस उपाय तथा योजना को पूरा करने की समय-सीमा शामिल है। इसके साथ ही यमुना के पारिस्थितिकी तंत्र को भी बहाल करने की भी योजना दिल्ली सरकार ने बनाई है। मिश्रा ने कहा कि सरकार यमुना के किनारों को पर्यटन एवं खेलकूद की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वालों क्षेत्रों के रूप में विकसित करेगी।

News item/letter/article/editorial published on May-25.05.2016 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

Yamuna clean-up plan presented to Bharti

HT Correspondent

■ htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Delhi Jal Board chairperson Kapil Mishra presented the Yamuna Turnaround Plan to Union minister for Water Resources Uma Bharti to ensure that untreated water does not enter the river.

The comprehensive plan will be executed over the next two-and-a-half years.

"We have come out with the Yamuna Turnaround Plan and showed it to Uma Bharti. She is very impressed and has accepted the plan. It is the first time that a comprehensive plan has been prepared to clean the Yamuna river," Mishra said.

"We have presented them full details of the plan, including the budget and the time limit. I am confident both Centre and the Delhi government will be making a historic move to clean the river."

Mishra said every single sewage and pollution source of the city had been mapped into the plan.

"We have included all the best

» We have come out with the Yamuna Turnaround Plan and showed it to Uma Bharti. She is very impressed and has accepted the plan.

KAPIL MISHRA, water minister

available solutions in the world. We have a time frame of two-and-a-half years for this plan. We are hoping that by the implementation of this plan, Yamuna will become a role model for every developing country," he said.

The plan will include cleaning the river; developing the river bank as a biodiversity zone, treating drain water and using spaces on the banks of drains as public space.

Mishra had met Balbir Singh Seechewal, a Punjab environmentalist who had helped revive the Kali Bein rivulet in the state, on Monday and discussed the plan with him as well.

News item/letter/article/editorial published on *May-25-05-2016* in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

NO WATER CUT FOR MAHA LIQUOR FIRMS: SC

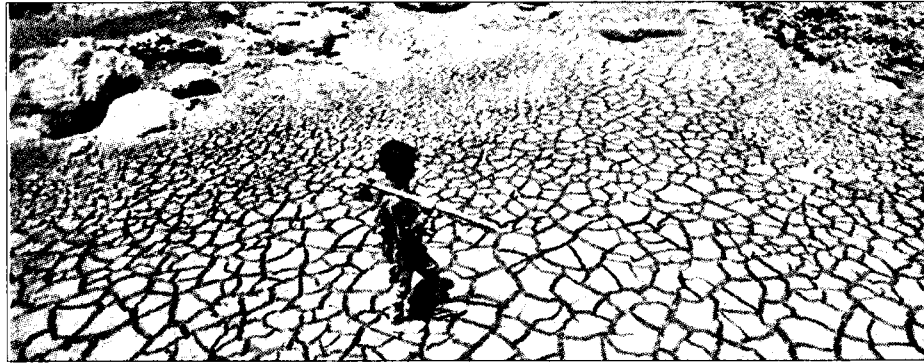
APEX COURT PERMITTED PETITIONER KALE TO APPROACH THE HIGH COURT, SAYS EVEN THE 60 PER CENT CUT HAS NO BASIS

STATESMAN NEWS SERVICE
New Delhi, 24 May

The Supreme Court today refused to direct the Maharashtra government to completely cut the water supply to the distilleries and breweries in the state and divert drinking water to drought-hit regions.

Pulling up the petitioner for seeking 100 per cent cut in the water supply to the state liquor industry for approaching the apex court "just for the sake of publicity", a vacation bench of Justices P C Pant and D Y Chandrachud said,

"The Bombay High Court has already passed an interim order in this regard. Why are you coming against an interim order of the high court?... The high court has already allowed



a 60 per cent cut, now what do you want? These are all policy decisions. There has to be a balance," the bench said. The counsel for petitioner Mr Sanjay Bhaskarrao Kale said the entire region is severely drought-hit and there is a policy in this regard for diverting water supply.

To this, the bench said,

"These are all policy decisions and the court's interference will be like taking over governance."

It said, "Even the 60 per cent cut has no basis. There can be no justification. These are all policy decisions and the courts cannot interfere in all these matters."

The apex court finally

asked the counsel for the petitioner to withdraw the plea and termed it as dismissed as withdrawn.

The Aurangabad Bench of the Bombay High Court had recently asked the state government to curtail water supply to the liquor industry by 60 per cent from 10 May, an order which will be operational till 27 June.

PRESS TRUST OF INDIA
Mumbai, 24 May

The Bombay High Court today asked Maharashtra Water Resources Regulatory Authority (MWRRA) to constantly monitor water level in all the dams of the state to ensure enough water is available for drinking in the drought-hit state.

The order was passed on a bunch of petitions urging adequate supply of water in drought-hit areas due to scarcity prevailing in various parts of the state.

The court was informed that the terms of many members of MWRRA had expired and hence the body

was not functioning.

Hearing this, a bench of Justices BR Gavai and Shalini Phansalkar-Joshi ordered the Maharashtra government to appoint a new water regulatory authority within a week so that it can monitor the water level of the dams periodically.

If, for any reason, the state government was not in a position to constitute a new water regulatory body, then it should extend the term of old members which had expired, to enable MWRRA to function immediately, said the bench.

The court also asked the water regulatory authority to ensure that it accords

priority to supply of drinking water to the people.

The court directed the commissioner of Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) to ensure that water supplied to slaughter houses is rationalised so that enough water is available for drinking.

The bench further directed the collectors in all the districts of Maharashtra to ensure that water reserved for drinking is not directed for other activities.

The court also asked the government to ensure that a special ward is created in all the district hospitals for treatment of people hit by heat strokes.

ST-25-5-05
Regulatory body to monitor water level

The Tribune - 25 May 2016

2 killed, 1,000 trees uprooted as storm hits Hisar

Breach in Balsamand branch canal | Several residential areas flooded | 350 electricity poles damaged

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, MAY 24

Two persons were killed and extensive damage was caused when a massive storm hit the district last night. The storm damaged around 350 electricity poles which affected power supply in many areas in the city and villages, and uprooted nearly 1,000 trees.

The Balsamand branch canal also caved in near the town and flooded several residential areas after uprooted trees blocked the water current.

Shishpal, 13, a resident of Kulana village, died when a tree fell on him in the fields, while Sandeep, 18, of Gangwa village, was buried under a wall that collapsed during the storm in the village.

Electricity poles were damaged in Hisar, Satrod, Balsamand, Barwala and Adampur. Executive Engineer Bhim Sein said Satrod power circle was the worst affected and the power supply was being restored as 300 employees were engaged in the repair work in the district.

Officials of the Forest Department said that over



A JCB MACHINE ENGAGED IN PLUGGING THE BREACH IN A HISAR CANAL ON TUESDAY. TRIBUNE PHOTO

Two die in Bhiwani roof collapse

Bhiwani: Two women were killed and a girl was injured after the roof of a house in Devnagar Balmiki Basti here collapsed due to the strong windstorm in the district on Monday. The deceased have been identified as Bala Devi and her niece Ritu Rani. Sources said they, along with Anchal (4), were sleeping in the house when the roof broke and they were buried under it. They were taken to the hospital where Bala Devi and Ritu Rani were declared brought dead. TNS

1,000 trees had been uprooted in the storm in the district. They said around 300 trees

were uprooted on the campus of Guru Jambheshwar University of Science and

Technology (GJUST) and 200 trees felled in Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) in the town. The uprooted trees were removed from most of the roads, they said.

The breach in the Balsamand sub-branch flooded the residential areas of Sector 16-17, Patel Nagar and juggi areas on the outskirts of the town. Officials plugged the breach after nearly eight hours.

Farmer killed, power supply hit in Panipat

TRIBUNE NEWS SERVICE

PANIPAT, MAY 24

The thundershowers that lashed the state yesterday disrupted power and water supply in many parts of the city. Trees uprooted along many roads leading to traffic disruption.

A farmer was killed in a village when a high voltage wire fell on him. High-velocity winds uprooted hundreds of poles and trees and normal life was disrupted.

A farmer, Shaym Lal (58) of Chhajpur Kalan village, was found dead in his fields yesterday. "When my father didn't return home, we went to the fields and found him dead there. High tension wires were lying around him," said Kala, son of the deceased farmer.

"I have ordered a detailed inquiry in the case," said Ashwani Raheja, Superintending Engineer, UHBVN, Panipat.

Power supply in majority of urban areas of the city and its nearby villages was disrupted

"The Power Department has suffered heavy losses on account of Monday's weather. About 345 poles were uprooted in residential areas. The report of damage in the agriculture sector is yet to be assessed"

Ashwani Raheja, SUPERINTENDING ENGINEER, UHBVN, PANIPAT

following extensive damage to low tension wires, poles, transformers and conductors yesterday. More than 80 feeders and five power houses broke down and power supply could not be restored even after 24 hours. Four buffaloes died and 10 were injured due to damage to sheds of Chopra Dairy in the Matlauda area.

"The department has suffered heavy losses due to yesterday's weather. About 345 poles were uprooted in residential areas. The report of damage in the agriculture sector is yet to be assessed," Raheja said.

Industan Times (Delhi)
भारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
✓ The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Finding shelter for Sri Lankan victims a challenging task: UN

T. RAMAKRISHNAN

COLOMBO: Finding suitable locations for shelter for the flood-hit people in the densely populated Colombo and Gampaha is a "challenging" task, according to a UN agency.

In its first "situation report", which covered events up to May 22, the UN Office for the Coordination of Humanitarian Affairs (OCHA) mentioned that "a sizeable segment of the flood affected population are squatters living in vulnerable areas prone to frequent flooding. Therefore transitional shelter arrangements maybe required until suitable land is identified for relocation."

According to the Sri Lanka government's Disaster Management Centre, 506 houses were fully damaged and 4,005 partially damaged. Colombo and Gampaha accounted for 32 fully damaged houses and 117 partially damaged ones. In Colombo, there are still about



WADING THROUGH: Victims pushing an auto through floodwaters in a suburb of Colombo. — PHOTO: AFP

1.23 lakh people at relief camps and in Gampaha, nearly 46,000 persons.

As for people in landslide-hit areas, the OCHA pointed out that people would not be able return to their places of origin because of "ongoing threat from further landslides. There is therefore a need for longer term alternative shelter options."

In Aranayaka, hit by a major landslide a week ago,

seven more bodies were recovered, taking the toll to 39 and that of the Kegalle district to 57. As of now, 92 persons died all over the country due to the latest round of natural disaster, and 109 people are missing.

Sri Lanka's Finance Minister Ravi Karunanayake was quoted in a local daily as saying that the previous week's storm cost the country \$2 billion.

IC - 24 May 2016

Hindustan Times (Delhi)
भारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

✓ The Deccan Herald (Bengaluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

DM - 24 May 2016

Rain lashes Manipur, Delhi

Heatstroke kills 2 in Ahmedabad which registered 42.6° C

NEW DELHI: Rain caused floods in Manipur and brought relief to Delhi, but Odisha, Gujarat and other states sizzled, with two succumbing to heatstroke in Ahmedabad.

In Manipur, the Imphal-Dimapur highway (NH-2) near Kohima in Nagaland and the Imphal-Silchar highway (NH-37) were blocked due to landslides. Tamenglong district has been cut off from other parts of the state with no power for several weeks as transmission lines have been brought down during cloudbursts.

In Delhi, the showers followed a dust storm in the afternoon, bringing down the mercury which had recorded a maximum of 42.7 degrees Celsius on Sunday at the Safdarjung observatory while in Palam, it was 45.6 degrees Celsius. After the rains, the temperature in Delhi fell to 40.9 degrees Celsius while the minimum was 30.5 degrees Celsius.

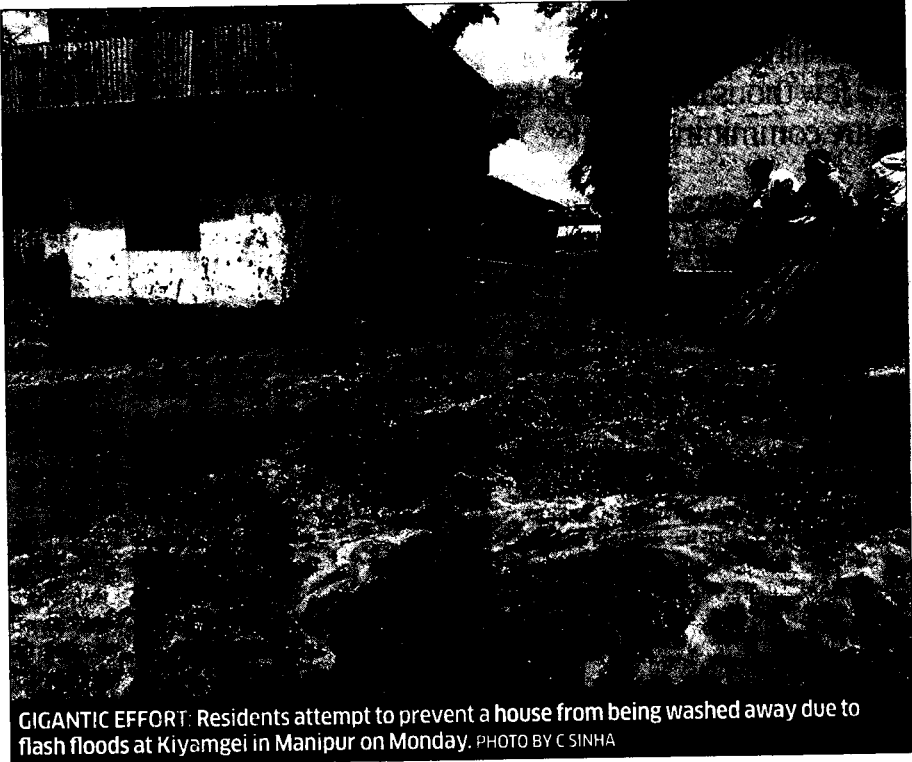
Light showers owing to a western disturbance had hit the

capital on Sunday but failed to give respite to Delhiites as the maximum temperature crossed the 45 degrees Celsius mark.

Parts of Punjab, Haryana and capital city Chandigarh also received light rain. Temperature, which fluctuated between 42 and 45 degrees Celsius at many of these places and soared over 47 degrees Celsius in Hisar on Sunday, came down on Monday. The Met department said the conditions, which occurred due to western disturbance in the region, may prevail until Tuesday. Two persons were seriously injured after being struck by lightning on the Amritsar-Pathankot Road.

Two people were killed due to heatstroke in Ahmedabad, which registered 42.6 degrees Celsius. Temperature across the major urban centres in Gujarat remained above 40 degrees Celsius.

However, others states like Odisha and Gujarat continued to reel under heat. Titlagarh and Bolangir in Odisha scorched at 46 degrees Celsius. Phalodi in Rajasthan registered



GIGANTIC EFFORT Residents attempt to prevent a house from being washed away due to flash floods at Kiyamgei in Manipur on Monday. PHOTO BY C SINHA

45.5 degrees Celsius followed by Jaisalmer at 45.2 degrees Celsius.

Other places which experienced heatwave were Nagpur (45.4 degrees C), Gwalior (45.1), Machilipatnam (42.6), Hyderabad (42) and Bhopal (42.5).

The toll in the heatwave in Ahmedabad went up to 12 this year. As many as 12 new cases of heatstroke were registered by various local hospitals in Ahmedabad on Monday, with total heatstroke cases this season at 80.

DHNS & PTI

Bad weather disrupts 100 flights in Delhi

Flight services to and from Delhi were affected on Monday evening following bad weather with around 100 domestic and international flights either delayed or diverted, **DHNS** reports from New Delhi.

While over 50 domestic flights to Delhi were delayed by more than two hours, another 40 from the national capital to other cities also could not take off on time. Around a dozen domestic flights were also diverted.

A dust storm accompanied by light rains swept the national capital during the evening hours.

Multiple flights from Bengaluru, Mumbai, Kochi and Jaipur to the capital were delayed while flights from Kochi, Guwahati, Jammu and Bagdogra among other cities were diverted to other airports. Around half-a-dozen international flights to Delhi, including one from London, was delayed.



A young boy uses a plastic bag to protect himself from a dust storm in New Delhi, on Monday. REUTERS